

—  
सुरवादी

१२  
Penny

16 <sup>11</sup>/<sub>17</sub> वादी को प्राथमिक पर पर प्रचलनी प्रे।  
वादी ने प्रथम पर प्रे कर निवेदन किया  
कि वह अपने वाद को आगे नहीं चलाया  
चाहता किन्तु करना चाहता है। (वादी की  
पटवान की सम्पत्ति से. न की। वादी का  
प्राथमिक स्वीकार किया जाकर आगे  
करना किया गया। वादी अपने वाद को  
आगे नहीं चलाया चाहता। इस लिए वाद  
स्वीकार किया जाता है। करनी के लिये  
शुद्ध होकर नकर ले कर हो तथा पर  
वकालत की जावे अथवा ही।